5. धार्मिक आंदोलन

जैन धर्म

- जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे।
- जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ थे। ये काशी नरेश अश्वसेन के पुत्र थे।
- महावीर जैन धर्म के चौबीसवें एवं अंतिम तीर्थंकर थे।
- जैन धर्मानुसार ज्ञान के तीन स्रोत है:

  1. प्रत्यक्ष 2. अनुमान 3. तीर्थकरो के वचन
- जैन धर्म पुनर्जन्म व कर्मवाद में विश्वास रखता था।
- जैन धर्म में 'संलेखना' से तात्पर्य है- उपवास द्वारा शरीर का त्याग।
- जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक महावीर को माना जाता है।

महावीर जैन

जन्म – कुण्डग्राम (वैशाली)
सन् – 540 ई॰पू॰
पिता – सिद्धार्थ
माता – त्रिशला/विदेहदत्ता
कुल – ज्ञातृक
पत्नी – यशोदा
पुत्री – अनोज्जा/प्रियदर्शना
बचपन का नाम – वर्धमान
प्रतीक चिन्ह – सिंह
ज्ञान – साल वृक्ष के नीचे

जैन संगतियाँ

प्रथम–

समय – 322 से 298 ई॰पू॰
स्थल – पाटलिपुत्र
अध्यक्ष – स्थूलभद्र
शासक – चन्द्रगुप्त मौर्य

द्वितीय–

समय – 512 ई॰
स्थल – वल्लभी
अध्यक्ष – देवर्धिक्षमाश्रमण

- महावीर के माता- पिता भी पार्श्वनाथ के अनुयायी थे।
- स्थूलभद्र एवं उनके अनुयायियों को श्वेताम्बर कहा गया जो सफेद वस्त्र धारण करते थे।
- जैन धर्म के ग्रंथ अर्द्ध मागधी भाषा में लिखा गया है।
- महावीर को ज्ञान ऋजुपालिका (जुम्भिक ग्राम) नदी के तट पर प्राप्त हुआ था। इसके बाद महावीर जिन (विजेता), अर्हंत (पूज्य), निर्गंथ (बंधन रहित) कहलाये।
- जैनो के उतर भारत में मथुरा व उज्जैन केन्द्र थे।
- महावीर ने अपना उपदेश प्राकृत/अर्द्ध मागधी भाषा में दिया।
- जैन धर्म के त्रिरत्न - सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् आचरण।
- जैन धर्म के पंच महाव्रत - अहिंसा, सत्य वचन, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य। इसमें चार व्रत पहले से थे जबकि महावीर ने पांचवा व्रत ब्रह्मचर्य को जोड़ा।
- जैन धर्म के सप्तभंगी ज्ञान के अन्य नाम स्याद्वाद और अनेकान्तवाद है।
- महावीर को निर्वाण (मृत्यु) 468 ई॰पू॰ में पावापुरी में मल्लराज्य शक्ति पाल के राजप्रसाद में हुआ था।
- कलिंग नरेश खारखेल जैन धर्म का अनुयायी था।
- जैन धर्म के दो संप्रदाय

  (1) तेरापंथी (श्वेताम्बर)

  (2) सभैया (दिगम्बर)
- जैन मठो को बसादि कहा जाता है।

तीर्थकर		प्रतिक चिन्ह
ऋषभदेव	-	वृषभ
शांतिनाथ	-	हिरण
पार्श्वनाथ	-	सर्प

- भद्रबाहु एवं उनके अनुयायियों को दिगम्बर कहा गया। ये दक्षिणी जैनी कहे जाते थे। ये वस्त्र धारण नहीं करते थे।
- राष्ट्रकूट राजाओं के शासन काल में दक्षिणी भारत में जैन धर्म का काफी विकास हुआ।
- ऋग्वेद में केवल दो तीर्थकरो ऋषभदेव तथा अरिष्ठनेमि का उल्लेख किया गया है।
- जैन दर्शन हिन्दू सांख्य दर्शन के निकट है।
- राजा में उदयन, बिम्बिसार, अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, खारवेल आदि ने जैन धर्म का समर्थन किया।
- प्रथम जैन भिक्षुणी चम्पा के शासक दधिवाहन की पुत्री

चन्दना थी।

- जैन धर्म ईश्वर को नहीं मानता जबकि आत्मा को मानता है।
- महावीर ने अपना प्रथम उपदेश राजगीर में प्राकृत भाषा में दिया था।
- बाहुबली (गोमतेश्वर) की मूर्ति का निर्माण चामुण्डश्रवणबेलगोला में किया था।
- जैन तीर्थकरों की जीवनी कल्पसूत्र की रचना भद्रबाहु ने की थी।
- प्रथम जैन भिक्षु उनके दामाद जामलि बने।

बौद्ध धर्म

गौतम बुद्ध–

जन्म	–	563 ई॰पू॰
स्थान	–	लुम्बिनी (कपिलवस्तु)
पिता	–	शुद्धोधन
माता	–	महामाया
कुल	–	शाक्य
बचपन का नाम	–	सिद्धार्थ
पत्नी	–	यशोधरा
पुत्र	–	राहुल
पालन–पोषण	–	गौतमी

- बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाऐं जातक कथाऐं का वर्णन सुप्तपिटक में मिलता है।

बौद्ध धर्म:

(1) अनीश्वरवादी है।

(2) आत्मा की परिकलपना नहीं

(3) पुनर्जन्म को मान्यता दी।

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे।
- नागार्जुन को भारत का आइन्सटीन
- महायान सम्प्रदाय का उदय आंध्र प्रदेश में हुआ है।
- महायान संम्प्रदाय की स्थापना नागार्जुन ने की थी
- शुन्यवाद के प्रवर्तक नार्गाजुन थे, इनकी प्रसिद्ध रचना माध्यमिककारिका है। इसे सापेक्षवाद भी कहा जाता है।
- विज्ञानवाद (योगाचार) की स्थापना मैत्रेयनाथ ने की थी।
- बुद्ध का पंचशील सिद्धान्त का वर्णन छायोग्य उपनिषद में मिलता है।
- शंकराचार्य को प्रच्छन्न बौद्ध कहा जाता है।
- चार आर्य सत्य :

(1) दुख :

(2) दुख : का कारण

(3) दुख : का अन्त

(4) दुख : के अन्त का उपाय।

- मैत्रेय को संभावित बुद्ध के रूप में जाना जाता है।

त्रिपिटक

- **बौद्ध धर्म के बारे में ज्ञान त्रिपिटक से मिलता है।**

l wfi Vd %बुद्ध के धार्मिक विचारों का संकलन तथा बुद्ध का उपदेशों का संकलन

अभिधम्म पिटक : बौद्ध दर्शन का उल्लेख।

विनय पिटक : बौद्ध संघ के नियमों का उल्लेख।

- बौद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिए थे।
- सिद्धार्थ को योग की शिक्षा आलारकलाम ने दी थी।
- वेद और उपनिषद की शिक्षा रूद्रक ने बौद्ध को दी थी।
- बौद्ध धर्म का सबसे पवित्र एवं महत्वपूर्ण त्यौहार पूर्णिमा है। जिसे बुद्ध पूणिमा के नाम से जाना जाता है।

बुद्ध के जीवन से संबंधित प्रतीक–

जन्म	कमल एवं सांड़
गृहत्याग	घोड़ा
ज्ञान	पीपल/ बोधिवृक्ष
निर्वाण	पदचिन्ह
मृत्यु	स्तूप

जीवन की घटना–

गृह त्याग	– महाभिनिष्क्रमण
ज्ञान प्राप्त होने की घटना	– सम्बोधी
उपदेश देने की घटना	– धर्मचक्रप्रवर्तन
निर्वाण/मृत्यु	– महापरिनिर्वाण

- बुद्ध को निरंजना नदी के किनारे पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ।
- बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया।
- निर्वाण बौद्ध धर्म का परम लक्ष्य है जिसका अर्थ है दीपक का बुझ जाना। अर्थात् जीवन–मरण के चक्र से मुक्त हो जाना।
- अण्टांमिकमार्ग बौद्ध धर्म के निर्वाण प्राप्ति का साधन है।
- बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती में दिये।
- बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं– बुद्ध, संघ एवं धम्म।
- बुद्ध का महापरिनिर्वाण (मृत्यु) कुशीनारा (मल्ल राज्य) में

हुई।

- बौद्ध धर्म दो भागों हीनयान एवं महायान में विभाजित हो गया।
- अशोक, मिनाण्डर कनिष्क तथा हर्षवर्धन ने बौद्ध धर्म में विशेष योगदान दिया है।
- बुद्ध के अण्टांगिकमार्ग का स्त्रोत तैत्तिरीय उपनिषद है।
- बुद्ध की प्रथम मुर्ति मथुरा कला में बनी थी।
- बुद्ध की सर्वाधिक मुर्तियां गंधार कला में बनी है।

बौद्ध सभाएँ

सभा	शासनकाल	समय	स्थान	अध्यक्ष	उद्देश्य
प्रथम बौद्ध संगीति	483 ई॰पू॰	राजगृह	महाकश्यप	अजातशत्रु	सुत व विनय पिटक संकलन
द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ई॰पू॰	वैशाली	सबाकामी	कालाशोक	
तृतीय बौद्ध संगीति	255 ई॰पू॰	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्र तिस्स	अशोक	अभिधम्म पिट का संकलन
चतुर्थ बौद्ध संगीति	ई॰ की प्रथम शताब्दी	कुण्डलवन	वसुमित्र/अश्वघोष	कनिष्क	हिनयान व महायन में बौद्ध धर्म का विभाज

- बुद्ध का ही सर्वप्रथम मानव रूप मूर्ति में पूजा किया गया था।

- सांसारिक दु:खों से निर्वाण हेतु अष्टांगिक मार्ग की बात है।
- प्रतीत्य समुत्पाद बुद्ध के उपदेशों का सार है।
- सूत्तपिटक को प्रारंभिक बौद्ध धर्म का इनसाइक्लोपीडिया कहा जाता है।

धर्म के अन्य तथ्य

सम्प्रदाय	संस्थापक
आजीवक	मक्खलिपुत्र गोशाल
घोर अक्रियवाद	पूरण कश्यप
उच्छेदवादी (भोतिकवादी)	आचार्य अजित
नित्यवादी	पकुध कच्चायन
अनिश्चयवाद	संजय वेट्ठलिपुत्र

सम्प्रदाय	संस्थापक	पुस्तक
परमार्थ	रामदास	दासबोध
श्रीवैस्णव	रामानुज	ब्रहासूत्र
बरकरी	नामदेव	रामभक्त
रामानन्द	अध्यात्म	रामायण

प्रमुख सम्प्रदाय	मत	आचार्य
वैष्णव सम्प्रदाय	विशिष्टाद्वैत	रामानुज
ब्रह्म सम्प्रदाय	द्वैत	आनन्दतीर्थ/ माधव
रूद्र सम्प्रदाय	शुद्धाद्वैत	वल्लभाचार्य/विष्णु स्वामी
सनक सम्प्रदाय	द्वैताद्वैत	निम्बार्क

- सबसे प्राचीन सम्प्रदाय थेरवाद है।
- पशुपत सम्प्रदाय के संस्थापनक लकुलीश थे।
- इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मुहम्मद थे।
- पैगम्बर मुहम्मद के उत्तराधिकारी 'खलीफा' कहलाए।
- कापालिक सम्प्रदाय के संस्थापक व इष्टदेव भैरव थे।
- नाथ सम्प्रदाय की स्थापना मत्स्येन्द्रनाथ ने की।
- मुहम्मद पैगम्बर के जन्मदिन पर **ईद** पर्व मनाया जाता है।
- ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह थे।
- ईसाई धर्म का प्रमुख ग्रंथ बाइबिल है।
- ईसा मसीह का जन्म येरूसेलम के निकट **बेथलेहम** नामक स्थान पर हुआ था।
- क्रिसमस ईसा मसीह के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है।
- ईसाई धर्म का पवित्र चिन्ह क्रॉस है।

Add. 41-42A, Ashok Park Main, New Rohtak Road, New Delhi-110035
+91-9350679141